SUNDAY | 23.09.2018

दिल्ली-एनसीआर

अमर उजाला

• राजधानी वर्ष 16 | अंक 165 | पृष्ठ : 24+2+4 | मूल्य : चार रुपये नई दिल्ली • 7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आज से

आयुष्मान भारत

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को रांची में महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना का करेंगे लोकार्पण...पेज 18

रियल एस्टेट बहुत ही अप्रत्याशित सेक्टर है। रेरा और जीएसटी के सफलतापूर्वक लागू होने के बाद, खरीदार बाजार में वापस आने लगे हैं। लोगों का उन डेवलपर्स पर भरोसा बना हुआ है जिन्होंने पहले भी समय पर पजेशन दिया है। -मनोज गौड़, एमडी, गौड़ ग्रुप

रेरा से जगी घर मिलने की आस

अब तक आधा दर्जन बिल्डर प्रोजेक्ट से जुड़े मसलों पर हुई सुनवाई

ग्रेटर नोएडा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में सबसे ज्यादा फ्लैट खरीदार फंसे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने रेरा का दफ्तर ग्रेटर नोएडा में बनाया है। रेरा में सुनवाई शुरू हो गई है। खरीदारों को अपनी बात रखने का प्लेटफॉर्म मिल गया है। यूपी में भाजपा की सरकार बनने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने खरीदारों को घर दिलाने का वादा किया। उन्होंने तीनों प्राधिकरणों को लक्ष्य दिए। दो बार में करीब 80 हजार फ्लैटों को पूरा कराने का लक्ष्य दिया गया। तय हुआ कि जब ये फ्लैट बनकर तैयार हो जाएंगे तो सीएम खुद आकर खरीदारों को चाबी सौंपेंगे, लेकिन अब तक यह लक्ष्य अधूरा है, जबकि दावे को एक साल से अधिक वक्त बीत चुके हैं।

हालांकि राहत के तौर पर रेरा का दफ्तर खोलकर सरकार ने कुछ आस बंधाने की पहल की है। रेरा बिल्डर और खरीदारों को बुलाकर सुनवाई करता है। समझौता करने का मौका देता है। उसके बाद हल न होने पर अपना फैसला

सुनाता है। अगर बिल्डर उसे नहीं मान रहा तो उस पर कार्रवाई का भी प्रावधान है। अब तक आधा दर्जन बिल्डर प्रोजेक्ट से जुड़े मामलों की सुनवाई हो चुकी है। वहीं, बिल्डर प्रोजेक्ट में खरीदारों के हित को प्राथमिकता देने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार ने भी सकारात्मक रूख दिखाया। सुप्रीम कोर्ट तक जाने वाले मसलों में खरीदारों के हित की बात पहले की जाती है। आम्रपाली इसका ताजा उदाहरण है। ग्रेटर नोएडा में ही करीब 32 हजार फ्लैट खरीदार आम्रपाली के प्रोजेक्ट में पैसा लगाए हुए हैं।

क्या कहते हैं बिल्डर

मकानों की जरूरत हमेशा से ही रही और मांग भी थी, पर भरोसे की कमी के कारण रियल्टी सेक्टर को गिरावट का सामना करना पड़ा था। अब रेरा के आने से लोगों का भरोसा वापस लौटा है और सेक्टर ने फिर से गति पकड़ना शुरू कर दिया है।- **विकास भसीन, सीएमडी, साया ग्रुप**

किसी भी घर खरीदार और डेवलपर के लिए सबसे अहम पजेशन ही होता है और हम हमेशा से समय पर पजेशन देने का प्रयास करते रहे हैं। इस दिवाली हम सैकड़ों खरीदारों को उनका घर प्रदान कर उनके सपने को पूरा होता हुआ देखना चाहते हैं। **-अशोक गुप्ता, सीएमडी, अजनारा**

रियल एस्टेट बहुत ही अप्रत्याशित सेक्टर है। रेरा और जीएसटी के सफलतापूर्वक लागू होने के बाद, खरीदार बाजार में वापस आने लगे हैं। लोगों का उन डेवलपर्स पर भरोसा बना हुआ है जिन्होंने पहले भी समय पर पजेशन दिया है। -मनोज गौड़, एमडी, गौड़ ग्रुप

कई खरीदार घरों की डिलीवरी नहीं होने से परेशान हैं। इनमें से कई प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिनके मामले कोर्ट में लंबित हैं। अगले तीन से चार महीने में कई प्रोजेक्टों में फ्लैट दिलाने की कोशिश होगी। **प्रशांत तिवारी, अध्यक्ष, क्रेडाई एनसीआर**

फ्लैट खरीदारों की हर बात सुनी जाती है और समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है। ज्यादा से ज्यादा फ्लैटों की चाबी सौंपकर खरीदारों को दीवाली का तोहफा दिया जाएगा। अकेले सुपरटेक 3200 फ्लैटों की चाबी फ्लैट खरीदारों को हैंडओवर करेगा। **-मोहित अरोड़ा, एमडी सुपरटेक**

दिवाली तक दस हजार फ्लैट का मिलेगा तोहफा

नोएडा/ ग्रेटर नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के फ्लैट खरीदारों के लिए खुशखबरी। दिवाली तक करीब दस हजार फ्लैटों पर खरीदारों को कब्जा मिल जाएगा। इतनी परेशानी के बावजूद कुछ बिल्डर खरीदारों को उनके सपने पूरा करने में मदद कर रहे हैं।

सेक्टर-75 गोल्फ सिटी के एम्स मैक्स गार्डेनिया के प्रोजेक्ट में 400 फ्लैट, अजनारा इंडिया लिमिटेड के तहत ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-16 बी स्थित अजनारा होम्स में 250, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के अजनारा ली गार्डन में 200, यमुना एक्सप्रेसवे सेक्टर-22ए स्थित अजनारा पैनोरामा में 90 फ्लैट और विला, सेक्टर-137 नोएडा के अजनारा डैफोडिल में 10, ग्रेटर नोएडा के जीटा सेक्टर के दूसरी ओर साया ग्रुप के साया जियोन में 300, पैरामाउंट ग्रुप के तहत ग्रेटर नोएडा के जीटा सेक्टर के अपोजिट में पैरामाउंट गोल्ट फॉरिस्ट में 200, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पैरामाउंट इमोशंस में 1500, महागुन ग्रुप के तहत ग्रेटर नोएडा वेस्ट के महागुन मायवुड्स में 100 फ्लैट दिवाली तक देने का दावा किया जा रहा है। इसी तरह से **ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौर ग्रुप की ओर से सितंबर 2018 से मार्च 2019 तक 5 हजार यूनिट देने का दावा किया जा रहा है। इसमें रेसिडेंसियल और कमर्शियल सभी प्रकार की प्रोपर्टी है।** इसके अलावा सुपरटेक एनसीआर में 3200 फ्लैट देने की बात कह रहा है।

अंधेरे में भी दिख रही रोशनी की किरण

एक तरफ जहां कई बिल्डर काम शुरू भी नहीं कर पा रहे। वहीं, कुछ बिल्डर ऐसे भी हैं, जिनका निर्माण तो देरी से चल रहा है, लेकिन वे प्रयास में हैं कि लोगों को घर मिल जाए। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में किसानों से जमीन विवाद में कई बिल्डर प्रोजेक्ट फंस गए। करीब दो साल के बाद कोर्ट से निर्णय आने पर फिर से निर्माण शुरू हो सके। कुछ बिल्डर ऐसे थे, जिन्होंने निर्माण को आगे बढ़ाया और खरीदारों को पजेशन दे सके। इनमें गौड़ संस, सुपरटेक, स्टेलर जीवन, साया ग्रुप, अजनारा होम्स, पंचशील, निराला, हवेलिया आदि ग्रुप शामिल हैं। कुछ बिल्डर ऐसे भी हैं, जो कोर्ट विवाद की आड़ में प्रोजेक्ट कंपलीट नहीं कर रहे। ऐसे बिल्डरों की ऑडिट चल रही है। 98 बिल्डर ऐसे हैं, जिनके प्रोजेक्ट की ऑडिट चल रहा है। क्यूरी एंड ब्राउन संस्था ऑडिट कर रही है। इनके रिपोर्ट का इंतजार है। इस रिपोर्ट से यह भी पता चल सकेगा कि किस बिल्डर ने खरीदारों से मिले पैसे को दूसरी जगह खर्च कर दिए। दूसरी तरफ कुछ बिल्डर इस दिवाली खरीदारों को पजेशन देने की तैयारी कर रहे हैं।

यह बिल्डर देंगे दिवाली पर फ्लैट का तोहफा

बिल्डर	फ्लैट
अजनारा	540
साया	300
पैरामाउंट	1700
महागुन	100
गौड़	**2000**
हवेलिया	418
सुपरटेक	3200
गार्डेनिया	400
जेपी	650
सिक्का	1000